9. क्रिया

वे शब्द जो किसी न किसी काम के करने का संकेत देते हैं, व्याकरण की भाषा में क्रिया कहलाते हैं। क्रिया द्वारा काम का करना, होना या घटित होना पता चलता है।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका पाठ पृष्ठ 43 पर दिए वाक्यों के द्वारा चित्र में हो रही क्रियाओं के बारे में बातचीत करें। तदुपरांत चित्र के नीचे दिए रिक्त स्थान में बच्चों से क्रिया शब्द लिखवाएँ। चित्र को दिखाकर बच्चों से प्रश्न पूछें और रिक्त स्थान में उनकी क्रिया लिखवाएँ।
- ❖ समझाएँ, काम के करने या होने का बोध कराने वाले शब्द क्रिया होते हैं।
- ❖ क्रिया वाक्यों को पूर्ण तथा अर्थवान बनाती है, बताएँ।
- ❖ बिना क्रिया के वाक्य अधूरे रहते हैं, यह समझाएँ।
- ❖ बच्चों को बताएँ, कुछ काम हम करते हैं तथा कुछ काम अपने आप होते हैं। जैसे– हवा का चलना, पानी का बहना, फूल का खिलना, सूरज का चमकना आदि। ये भी क्रियाएँ ही हैं।
- ❖ समझाएँ, किसी वाक्य में एक या एक से अधिक क्रिया भी हो सकती है। जैसे– अनिल पढ़ा। अनिल पढ़ रहा है। आदि।
- ❖ बच्चों की रोचकता बनाए रखने के उद्देश्य से पूछें, जब वे सुबह स्कूल आ रहे होते हैं या छुट्टी के समय वे रास्ते में क्या-क्या क्रियाएँ होते देखते हैं आदि।
- ❖ समझाएँ, क्रिया का रूप लिंग-वचन के आधार पर बदलता रहता है। जैसे– लिंग के आधार पर– लड़का खेला। लड़की खेली। वचन के आधार पर परिवर्तन– मैं खाऊँगा। हम खाएँगे। आदि।
- ❖ सुनिश्चित करें, बच्चों को क्रिया भली-भाँति समझ आ गई है।
- ❖ क्रिया के भिन्न-भिन्न रूप बच्चों से पढ़वाएँ। बताएँ, क्रिया रूप पर काल का प्रभाव पड़ता है। जैसे– गई, जाएँगे, पढ़ा, पढ़ेगा आदि।
- ❖ मौखिक प्रश्नों के उत्तर बच्चों से पूछें।
- ❖ अभ्यास बच्चों से करवाकर जाँचें। यदि गलती हो तो समझाते हुए सही करवाएँ।